

नमो भारत टाइम्स

Namo Bharat Times



Index

02

Cover Story

06

Latest @ Namobharat

07

Spotlight

09

Trivia

11

Commuter
Corner

12

Commuter of
the Month

13

Behind the
Tracks





Cover Story

कला और यात्रा का संगम: आनंद विहार नमो भारत स्टेशन पर 'यंग ब्रश स्ट्रोक्स' प्रदर्शनी

आनंद विहार नमो भारत स्टेशन एक महीने तक रचनात्मकता और कलात्मकता का जीवंत केंद्र बना रहा, जहाँ 'यंग ब्रश स्ट्रोक्स' नामक विशेष चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। एनसीआरटीसी की इस अनूठी पहल में इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स (IIFA), मोदीनगर के छात्रों और शिक्षकों की उत्कृष्ट कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं, जिन्होंने स्टेशन को एक चलते-फिरते कला संग्रहालय में बदल दिया।





आनंद विहार स्टेशन के अपर कॉनकोर्स लेवल पर नॉन पेड एरिया में सजी रंग-बिरंगी पेंटिंग्स के बीच एक फ्री लाइव स्केचिंग ज़ोन भी बनाया गया, जहां यात्रियों को मौके पर अपना पोर्ट्रेट बनवाने का मौका मिला। IIFA के युवा कलाकारों ने बारीकी और रचनात्मकता से यात्रियों की स्केचिंग की, जिसे देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए और अपनी यात्रा की यादों में एक नई कलात्मक छाप जोड़ ली।

इस प्रदर्शनी ने जहां यात्रियों के सफर को आनंदमय बनाया, वहीं उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा को हजारों लोगों तक पहुँचाने का मंच भी दिया। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक श्री शलभ गोयल ने इस कला उत्सव का उद्घाटन किया जिसे हजारों लोगों ने सराहा, जो यह साबित करता है कि नमो भारत स्टेशन केवल यात्रा ही नहीं, बल्कि एक जीवंत सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र भी बन सकता है। कला और यात्रा के इस संगम ने हर आगंतुक के दिल में रचनात्मकता का एक सुंदर रंग भर दिया।





नमो भारत स्टेशन पर गूँजी कारगिल विजय की गाथा

न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन 25 जुलाई 2025 को एक भावनात्मक और गर्व से भर देने वाले अवसर का साक्षी बना, जब एनसीआरटीसी ने 26वें कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में 'कारगिल विजय दिवस स्मारक ज़ोन' का उद्घाटन किया। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक श्री शलभ गोयल द्वारा उद्घाटित इस विशेष ज़ोन में कारगिल युद्ध के दौरान विषम परिस्थितियों और दुर्गम पहाड़ियों में लड़े गए भारत के सबसे कठिन सैन्य अभियानों में से एक की झलक प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में कारगिल के वीर शहीद कैप्टन विजयंत थापर के माता-पिता, श्रीमती तृप्ता थापर और कर्नल वी.एन. थापर, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जिन्होंने अपने बेटे के साहस और बलिदान की प्रेरणादायक कहानियाँ साझा कीं।

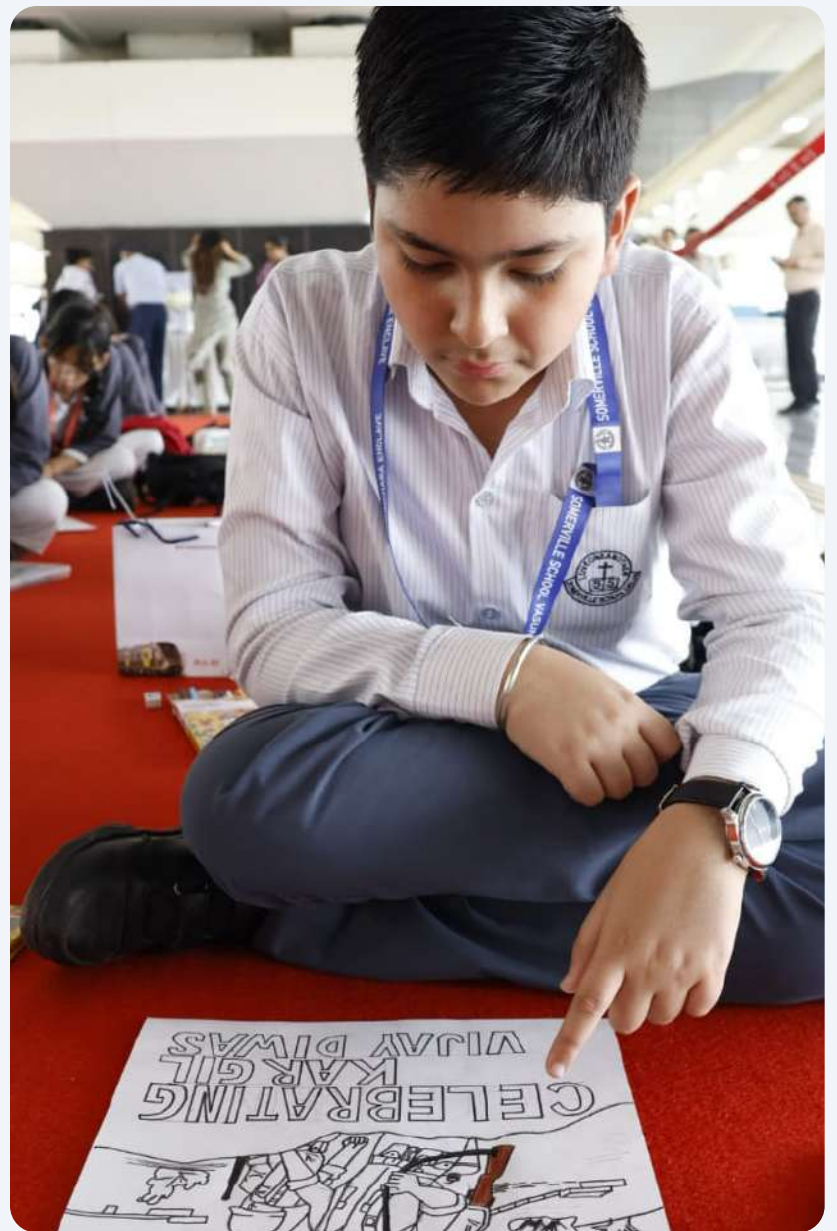


स्टेशन पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लेकर अपने रंगों और रचनात्मकता के माध्यम से वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी कलाकृतियाँ इस स्मारक ज़ोन के साथ निःशुल्क प्रदर्शित की जा रही हैं।

साथ ही, प्रसिद्ध लेखक श्री ऋषि राज द्वारा सुनाए गए सैनिकों के अदम्य साहस के किस्सों ने दर्शकों के हृदय को छू लिया। कारगिल विजय दिवस न केवल 1999 के 'ऑपरेशन विजय' की ऐतिहासिक जीत का प्रतीक है, बल्कि यह हर भारतीय को उन वीर जवानों के प्रति सम्मान और गर्व का भाव जगाने का अवसर भी देता है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

एनसीआरटीसी की यह पहल नमो भारत स्टेशनों को यात्रा से आगे बढ़कर एक जीवंत सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जो देशभक्ति की भावना को हर यात्री के दिल में बसाने का प्रयास करता है।







Latest @ NamoBharat

Not all Heroes wear Capes

Two days. Two incidents. One loud message.

In Namo Bharat, it's not just the trains that keep moving. It's the people who stand steady when it counts.

When 9-year-old Chirag accidentally boarded a Namo Bharat train alone, his relative Doli was still on the platform. What could have been a moment of panic turned into a story of swift action and calm coordination.

The Train Attendant immediately informed the Train Operator, who escalated the situation to OCC. At Ghaziabad station, Station Controller Nehal Ansari made timely announcements, traced Doli, and coordinated with Station Controller Tejasv Tyagi at Guldhar to ensure Chirag was received safely. The child was comforted and protected until Doli arrived, leading to a joyful reunion.



Nehal Ansari,
SC, Ghaziabad



Tejasv Tyagi,
SC, Guldhar

In another powerful moment of compassion, two young sisters, Aaliya* and Zoya*, mistakenly deboarded at Duhai instead of their destination, Ghaziabad. Alone and disoriented, they were spotted near Gate 2 by TOM Vishal and EFO Sudhir, who quickly alerted Station Controller Arpit Dixit.



Arpit Dixit,
SC, Duhai



Sudheer,
EFO, Duhai





With patience and care, Arpit spoke to the girls, offered them water and sweets, and gathered enough information to trace their school. He connected with their father, who soon arrived, overwhelmed with relief as he hugged his daughters.

These stories are a reminder that the real strength of Namo Bharat lies in its people. From Station Controllers to Train Operators and frontline staff, each individual played their part with presence of mind, empathy, and quiet courage.

A system is only as good as the people who implement it. The devoted staff, working in the shadows and often unnoticed, are the foundation stones of Namo Bharat. These incidents shine a light on the individuals who work relentlessly to make each commuter's journey safe, seamless, and comforting.

They don't just operate a service. They build trust. They build connection. And they leave behind a human touch that lasts long after the journey ends.

*Names changed to protect privacy.

Spotlight

सराय काले खां स्टेशन: दिल्ली की कनेक्टिविटी का नया केंद्र

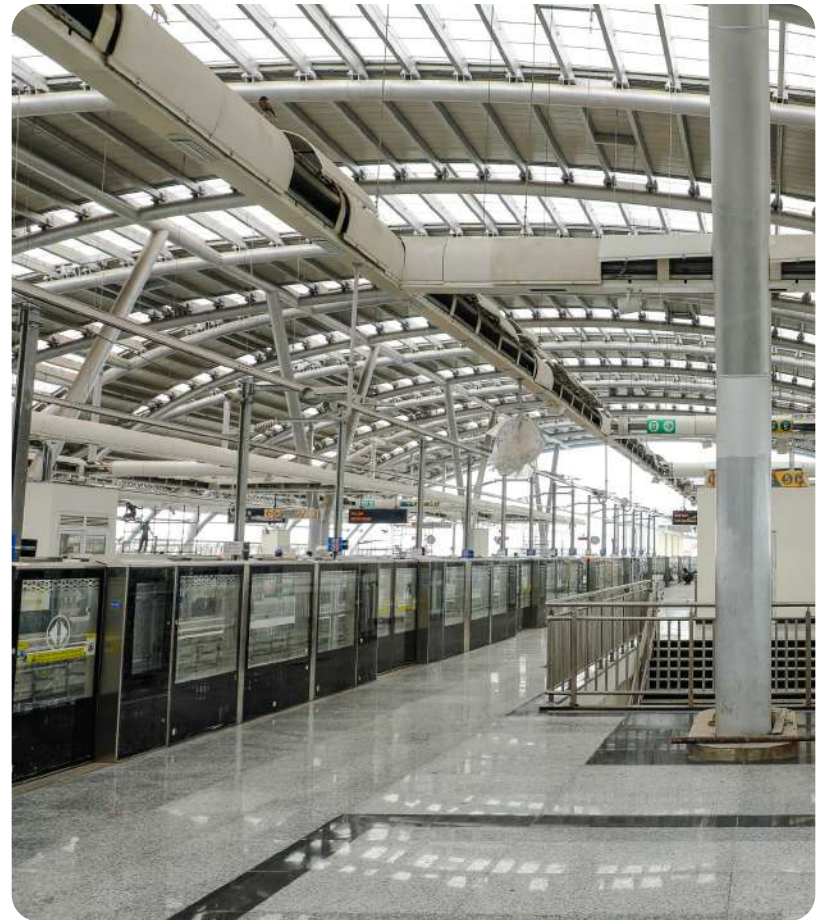
सराय काले खां नमो भारत कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। यह हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन, वीर हकीकत राय आईएसबीटी और रिंग रोड से जुड़कर यात्रियों को बेहतरीन कनेक्टिविटी देगा। इससे निजी वाहनों पर निर्भरता घटेगी और भीड़ व प्रदूषण में कमी आएगी।





नमो भारत परियोजना का मुख्य लक्ष्य मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन है, जिससे यात्री आसानी से विभिन्न परिवहन साधनों का उपयोग कर सकें। इसके लिए 280 मीटर लंबा पैदल ऊपरी पुल (FOB) बनाया जा रहा है, जिसमें छह ट्रेवलेटर होंगे। यह पुल रेलवे स्टेशन, मेट्रो और बस अड्डे तक तेज़ और सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित करेगा। भीड़भाड़ वाले बिरसा मुंडा चौक पर पैदल यात्रियों के लिए फुट ओवर ब्रिज का नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। एलिवेटेड स्टेशन के नीचे 40 से अधिक वाहनों के लिए ड्रॉप-ऑफ़ ज़ोन और 15 बसों की क्षमता वाला बस इंटरचेंज भी बनाया जाएगा।

स्टेशन में पाँच प्रवेश-निकास द्वार, 14 लिफ्ट और 18 एस्केलेटर होंगे, जो यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करेंगे। पर्यावरण-अनुकूल डिजाइन के साथ यह स्टेशन दिल्ली में एक सुरक्षित, तेज़ और सुविधाजनक यात्रा का नया अनुभव प्रदान करेगा।





Trivia

बारिश का पानी अब बहेगा नहीं, सहेजा जाएगा - नमो भारत का अनोखा प्रयास



एनसीआरटीसी ने नमो भारत परियोजना की शुरुआत से ही पर्यावरणीय सततता को प्राथमिकता दी है। इसी दिशा में कॉरिडोर के एलिवेटेड हिस्सों, स्टेशनों और डिपो में वर्षाजल संचयन की एक प्रभावी व्यवस्था तैयार की गई है। दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक लगभग 900 वर्षाजल संचयन पिट्स बनाए जा रहे हैं, जिनमें से 800 से अधिक सक्रिय हो चुके हैं।

82 किमी लंबे कॉरिडोर का करीब 70 किमी हिस्सा एलिवेटेड है, जहाँ वायाडक्ट के नीचे, सड़क डिवाइडर में पिट्स बनाए गए हैं। स्टेशनों के प्रत्येक प्रवेश-निकास द्वार पर भी 2-2 पिट्स लगाए गए हैं। वायाडक्ट और स्टेशन की छत से वर्षाजल पाइपों के माध्यम से पिट्स तक पहुँचता है, जहाँ रोड़ी और बालू के फिल्टर से साफ होकर भू-गर्भ में समा जाता है।

दुहाई डिपो में 20 पिट्स के साथ 66 लाख लीटर क्षमता वाले दो बड़े तालाब भी बनाए गए हैं, जो अतिरिक्त वर्षाजल को संग्रहित कर पौधों की सिंचाई में भी सहायक होंगे। यह व्यवस्था न केवल भू-जल स्तर को पुनर्भरण करेगी, बल्कि बारिश के पानी के बेहतर उपयोग का उदाहरण भी बनेगी।

एनसीआरटीसी का यह कदम आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में एक मिसाल साबित होगा।





Commuter Corner



Relax & Ride!

Riding the Tracks of Joy!





Namo Bharat Commuter of the Month



Meet Avantika Shukla, a second-year Mass Communication student at the University of Delhi, whose daily journey to college has been transformed by the Namo Bharat train.

For Avantika, the Namo Bharat isn't just a mode of transport—it's a seamless, time-saving bridge between home and her academic aspirations. The station's proximity to her route and the train's efficiency make it the perfect choice for her busy college routine.

What stands out for her is the comfort and safety onboard. She appreciates the presence of a Train Attendant, which adds a sense of security, and loves the dedicated ladies' coach, making travel more relaxed and respectful for women passengers.

She also shared her delight at the cleanliness of the stations and the smooth ticketing process, which makes every journey not only convenient but enjoyable.

Avantika's positive commuting experience reflects how Namo Bharat is redefining urban transit—safe, smart, and commuter-friendly.



Make your journey convenient with the Namo Bharat Connect App. Get it on





Behind the Tracks



मोहित कुमार
स्टेशन नियंत्रक

आपका पद क्या है?

स्टेशन नियंत्रक

नमो भारत परियोजना में कितने वर्षों से कार्यरत हैं?

12 दिसंबर 2023 से नमो भारत परियोजना में कार्यरत हैं और वर्तमान में स्टेशन नियंत्रक के पद पर कार्य कर रहे हैं।

आपकी शैक्षणिक योग्यता क्या है?

डिप्लोमा इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

स्नातक (बी.टेक) इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में अध्ययनरत

क्या आप हमें अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में कुछ बता सकते हैं?

हाँ, मेरे परिवार में कुल 5 सदस्य हैं।

पिता का नाम: दुर्गेशचंद्र पंडित- वे इंडस्ट्रियल क्रेन, फैब्रिकेशन कार्य और टिन स्ट्रक्चर शेड बनाने के कॉन्ट्रैक्टर हैं।

माता का नाम: सावित्री देवी है।

मोहित कुमार - नमो भारत में स्टेशन कंट्रोलर के पद पर कार्यरत हैं।

प्रशांत कुमार - प्रेम इंडिया लिमिटेड इंडस्ट्री में तकनीशियन और प्रोडक्शन लाइन में कार्यरत हैं।

अंतिमेश कुमार (छोटे भाई) - 10वीं कक्षा में अध्ययनरत हैं।

नमो भारत के साथ काम करने के बारे में आपका क्या अनुभव है?

मैं इस कंपनी में काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूँ क्योंकि इसकी उत्कृष्ट प्रतिष्ठा है। मेरा मानना है कि किसी प्रतिष्ठित और स्थापित कंपनी के साथ काम करने से मुझे ऐसे अवसर और अनुभव मिलेंगे, जो मेरे करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे।

मुझे पता है कि यह सुनने में थोड़ा ज़्यादा अच्छा लग सकता है, लेकिन मैं खुद से हमेशा यही कहता हूँ कि मैं वाकई भाग्यशाली हूँ, जो मुझे यह नौकरी मिली है।



Editor : Puneet Vats
Sub Editor : Shraddha Awasthi
Published by : Corporate Communications, NCRTC

Please address your correspondence to:
The Editor,
Namo Bharat Times
Email: pr@ncrtc.in

Disclaimer: The information provided in this Newsletter is for the general reading purpose of Namo Bharat Commuters. The contents of the Newsletter are strictly for personal non-commercial use of the intended readers and lawful purposes.



आकाशवाणी समाचार @AIRNewsHindi · Jun 17

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम- **NCRTC** को जर्मनी के हैम्बर्ग में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पब्लिक ट्रांसपोर्ट- **#UITP** ग्लोबल पब्लिक ट्रांसपोर्ट समिट 2025 में सम्मानित किया गया।



WINNER: PUBLIC AND URBAN TRANSPORT STRATEGY



National Capital Region Transport Corporation (NCRTC) and its projects
Delhi Meerut Namo Bharat corridor in National Capital Region (NCR) of India



1

4

11

1K



Deccan Herald @DeccanHerald · Dec 25, 2024

More than five million commuters have travelled in the **#NamoBharat** **#trains** since the start of operations on the Delhi-Ghaziabad-Meerut **#RRTS** corridor in October 2023, a statement said on Wednesday.



The Statesman @TheStatesmanLtd · May 19

Delhi LG VK Saxena approved the allotment of 2.5 acres of DUSIB land to **#NCRTC**, paving the way for ISBT Sarai Kale Khan's redevelopment and integration with the RRTS network. The land is free of disputes; **#DUSIB** will seek court approval to relocate night shelters. The project

Show more



Press Trust of India @PTI_News · Jun 22

STORY | **NCRTC** conducts timetable trial run of Namo Bharat trains on Delhi-Meerut corridor

READ: ptinews.com/story/national...



ThePrintIndia @ThePrintIndia · Jun 23

NCRTC conducts Namo Bharat trial run from Delhi to Meerut, covering 82 km in less than 1 hour



NCRTC conducts Namo Bharat trial run from Delhi to Meerut, covering 82 km i...

From theprint.in

9

1K



Times Now Navbharat @TNNavbharat · Jun 23

WATCH | **NCRTC** ने नमो भारत कॉरिडोर पर दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम के बीच नमो भारत ट्रेनों का सफलतापूर्वक समयबद्ध ट्रायल किया

#NaMoBharat **#NCRTC** **#NamoBharatCorridor** **#Meerut** **#Modipuram** **#SaraiKaleKhan** **#Trending** **#ViralVideo**



दिल्ली-मेरठ के पूरे कॉरिडोर पर हुआ नमो भारत का सफल ट्रायल



दिल्ली-मेरठ के पूरे कॉरिडोर पर हुआ नमो भारत का सफल ट्रायल

0:29 W US: @TNNavbharat @Timesnownavbharat @Timesnownavbharat



TV9 Bharatvarsh @TV9Bharatvarsh · Jun 23

दिल्ली और मेरठ के बीच रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है. रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS) के अंतर्गत एनसीआरटीसी (**NCRTC**) ने सराय काले खां से लेकर मोदीपुरम तक नमो भारत ट्रेन का ट्रायल रन पूरा कर लिया है. इस ट्रेन ने दिल्ली के सराय काले

Show more



दिल्ली से मेरठ सिर्फ 57 मिनट में नमो भारत ने ट्रायल में किया कमाल

2

17

1.1K